Result Mitra

UPSC (IAS) Prelims 2025

Current Affairs

18 Months

CRASH COURSE

#IAS

ABHAY SIR

Events in News

Result Mitra

Topic 1:- B-रेडी इंडेक्स (B-Ready Index)

Topic 2:- पी.एम. गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (PM Gatishakti National Master Plan)

Topic 3:- मेक इन इंडिया के 10 वर्ष

Topic 4:- भारत में निर्धनता (Poverty in India)

Topic 5 :– वैश्विक नवाचार सूचकांक 2024

B-रेडी इंडेक्स (B-Ready Index)

Result Mitra

B-READY Index

B-रेडी इंडेक्स (B-Ready Index)

Result Mitra

सुर्ख़ियों में क्यों?

- विश्व बैंक ने हाल ही में 'बिजनेस-रेडी (B-रेडी) इंडेक्स' का पहला संस्करण लॉन्च किया।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- यह विश्व बैंक की एक नई परियोजना है, जिसे 2024 से 2026 के बीच चरणबद्ध रूप से जारी किया जाएगा।
- पहले संस्करण में 50 अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं, लेकिन भारत इसमें शामिल नहीं है।

B-रेडी इंडेक्स (B-Ready Index)

Result Mitra

- 2026 तक इस सूचकांक में 180 देशों को शामिल करने की योजना है।
- यह "ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (EoDB)" रैंकिंग की जगह आया है, जिसे 2021 में डेटा अनियमितताओं के कारण बंद कर दिया गया था।
- भारत की "व्यवसाय सुधार कार्य योजना रैंकिंग 2024" में B-रेडी इंडेक्स के कुछ संकेतक शामिल होंगे।

B-रेडी इंडेक्स (B-Ready Index)

Result Mitra

B-रेडी इंडेक्स क्या है?

- परिचय: विश्व बैंक समूह की एक नई डेटा संग्रह और विश्लेषण परियोजना, जो वैश्विक व्यवसाय और निवेश माहौल का आकलन करेगी।

उद्देश्य:

- निजी निवेश को बढ़ावा देना
- रोजगार के अवसर बढ़ाना
- उत्पादकता को सुधारना
- देशों की व्यापारिक गतिविधियों का सटीक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना

B-रेडी इंडेक्स (B-Ready Index)

Result Mitra

मुख्य क्षेत्र

- 1. सुधार का समर्थन: नीतिगत सुधारों को बढ़ावा देना और संवाद को मजबूत करना।
- 2. नीतिगत मार्गदर्शन: सर्वश्रेष्ठ वैश्विक पद्धतियों का विश्लेषण और सुझाव देना।
- 3. विश्लेषण व अनुसंधान: निजी क्षेत्र के विकास कारकों पर विस्तृत डेटा उपलब्ध कराना।

B-रेडी इंडेक्स (B-Ready Index)

Result Mitra

एनालिटिकल फ्रेमवर्क

- यह इंडेक्स व्यवसाय के स्थापना, संचालन (या विस्तार) और बंद करने (या पुनर्गठन) के विभिन्न चरणों का आकलन करेगा।
- इसमें 10 टॉपिक्स शामिल हैं, जो किसी व्यवसाय के संपूर्ण विकास चक्र को कवर करते हैं।

क्रॉस-कटिंग थीम (कॉमन थीम)

- 1. डिजिटल कार्य-प्रणाली: सरकारें और व्यवसाय किस तरह डिजिटल तकनीकों को अपना रहे हैं, इसका मूल्यांकन।
- 2. सतत विकास: पर्यावरणीय व सामाजिक स्थिरता को ध्यान में रखते हुए व्यापार प्रथाओं का आकलन।

B-रेडी इंडेक्स (B-Ready Index)

Result Mitra

- 3. लिंग समावेशन: व्यवसायों और नीतियों में महिलाओं की भागीदारी को मापना।

भारत के लिए B-रेडी इंडेक्स का महत्त्व

- प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा: विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने में मदद।
- ई-कॉमर्स को समर्थन: 2030 तक ई-कॉमर्स निर्यात को $200 बिलियन तक पहुँचाने के लक्ष्य में सहायक।
- तथ्यों पर आधारित नीतियाँ: व्यवसाय से जुड़ी चुनौतियों की पहचान और नीतियों में सुधार।

B-रेडी इंडेक्स (B-Ready Index)

Result Mitra

- नवाचार को प्रोत्साहन: डिजिटलीकरण और संधारणीयता पर जोर देकर उत्पादकता बढ़ाना।
- समावेशिता को बढ़ावा: लैंगिक समानता और कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों की भागीदारी सुनिश्चित करना।
- निगरानी: भारत को अपनी प्रगति की निगरानी करने और रणनीतियों में सुधार करने में मदद।
- पारदर्शिता और डेटा सुरक्षा: डेटा संग्रह और सुरक्षा उपायों को अपनाकर पारदर्शिता बढ़ाना।

B-रेडी इंडेक्स (B-Ready Index)

Result Mitra

पहलू	EoDB	B-रेडी
मूल्यांकन का मुख्य ध्यान	इनमें मुख्य रूप से लघु और मध्यम उद्यमों पर फोकस किया गया था।	इनमें समग्र रूप से निजी क्षेत्रक के विकास को शामिल किया गया है।
मूल्यांकन	यह केवल कंपनियों पर विनियमन के बोझ का परीक्षण करता था।	इनमें कंपनियों पर विनियामकीय बोझ और विनियमन की गुणवत्ता दोनों की जांच की जाती है।
एनालिटिकल फ्रेमवर्क	विभिन्न श्रेणियों में 10 संकेतक	दस टॉपिक्स, तीन स्तंभ, तीन थीम
डेटा संग्रह का तरीका	इनमें विशेषज्ञों से परामर्श के साथ-साथ केस स्टडीज के आधार पर डेटा संग्रह किया जाता था। इनमें या तो कानूनी या व्यावहारिक विनियमनों पर जोर दिया जाता था, लेकिन दोनों पर निरंतर रूप से जोर नहीं दिया जाता था।	यह विनियमन के क्षेत्र में संतुलित दृष्टिकोण के लिए विशेषज्ञों की राय और कंपनियों के सर्वेक्षणों के आंकड़ों का उपयोग करता है। इससे विभिन्न देशों या अर्थव्यवस्थाओं के बीच डेटा की तुलनात्मक अध्ययन में सुधार होता है।
भौगोलिक क्षेत्र	191 अर्थव्यवस्थाओं के मुख्य व्यवसायिक शहर और 11 अर्थव्यवस्थाओं में दूसरा मुख्य व्यावसायिक शहर	बी-रेडी इंडेक्स में पहले से व्यापक कवरेज का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें स्थानीय स्तर के विनियमन भी शामिल हैं।

B-रेडी इंडेक्स (B-Ready Index)

Result Mitra

B-Ready Index" के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

- 1. यह सूचकांक प्राकृतिक आपदाओं और आर्थिक व्यवधानों के प्रति देशों की तत्परता का आकलन करता है।
- 2. इसे संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा प्रकाशित किया जाता है।
- 3. यह सूचकांक केवल जलवायु परिवर्तन से संबंधित आपदाओं पर केंद्रित है।

सही उत्तर चुनें:

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 2 और 3
- (C) केवल 1 और 3
- (D) 1, 2 और 3

B-रेडी इंडेक्स (B-Ready Index)

Result Mitra

स्पष्टीकरण:

- B-Ready Index (Business Ready Index) प्राकृतिक आपदाओं और आर्थिक व्यवधानों के प्रति देशों की तत्परता (Preparedness) को मापता है।
- इसे संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा प्रकाशित किया जाता है।
- • यह सिर्फ जलवायु परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें अन्य आर्थिक और सामाजिक व्यवधानों को भी शामिल किया जाता है।

पी.एम. गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (PM Gatishakti National Master Plan)

Result Mitra

पी.एम. गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान

Result Mitra

सुर्ख़ियों में क्यों?

- इस योजना की शुरुआत के तीन वर्ष पूरे हुए (लॉन्च: 2021)।

पी.एम. गति शक्ति (PMGS) क्या है?

- उद्देश्य: भरोसेमंद अवसंरचना का तेज़ी से विकास, जीवन और व्यापार में सुगमता, लागत में दक्षता।
- 7 इंजन: रेलवे, सड़क, बंदरगाह, जलमार्ग, हवाई अड्डे, मास ट्रांसपोर्ट, लॉजिस्टिक्स अवसंरचना।

पी.एम. गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (PMGS-NMP)

- विकासकर्ता: भास्कराचार्य नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस एप्लीकेशंस एंड जियो-इन्फॉर्मेटिक्स (BISAG-N)।

तकनीकी आधार:

- डिजिटल मास्टर प्लानिंग टूल
- ओपन-सोर्स तकनीक
- भारत सरकार के क्लाउड मेघराज पर होस्ट
- इसरो सैटेलाइट इमेजरी और सर्वे ऑफ इंडिया बेस-मैप्स का उपयोग

- डेटाबेस समावेश: भारतमाला, सागरमाला, अंतर्देशीय जलमार्ग, ड्राई पोर्ट, उड़ान (UDAN) जैसी सरकारी योजनाएँ।

पी.एम. गतिशक्ति-नेशनल मास्टर प्लान (PMGS-NMP):

लक्ष्य:–

- केंद्र सरकार का लक्ष्य राष्ट्रीय राजमार्ग की लंबाई को वर्तमान में लगभग 1,48,000 कि.मी. से बढ़ाकर 2,00,000 किलोमीटर से अधिक करना है।
- विमानन यानी एविएशन क्षेत्रक को बढ़ावा देने के लिए योजना में 200 नए हवाई अड्डे. हेलीपोर्ट और वाटर एरोड्रम का निर्माण शामिल है।

पी.एम. गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान

Result Mitra

- वित्त वर्ष 2025 तक रेलते की माल गुलाई क्षमता को बढ़ाकर 1,600 टन तक पहुंचाना।
- 4,54,200 कि.मी.सर्किट ट्रांसमिशन लाइनों के माध्यम से पावर ग्रिड के पहुंच का विस्तार करना।
- वित्त वर्ष 2025 तक नवीकरणीय क्षमता को बढ़ाकर 225 गीगावाट करना तया लगभग 17,000 किलोमीटर गैस पाइपलाइनों का निर्माण कार्य पूरा करना।

पी.एम. गतिशक्ति की प्रमुख उपलब्धियां:–

- सभी स्तरों के सरकार को एक प्लेटफॉर्म पर लाना: PMGS ने 44 केंद्रीय मंत्रालयों और 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को 1,800 से अधिक डेटा लेयर के साथ एकीकृत किया है।
- सामाजिक क्षेत्रक पर प्रभाव: PMGS के सामाजिक क्षेत्रक में विस्तार ने स्कूलों अस्पतालों और आंगनबाड़ियों के लिए डेटा आधारित योजना बनाने में मदद की है। उदाहरण के लिए PMGS पोर्टल का जपयोग जिला विशिष्ट कौशल प्रशिक्षण हेतु पी.एम. श्री स्कूलों को स्थानीय तद्योगों से जोलने के लिए किया गया है।

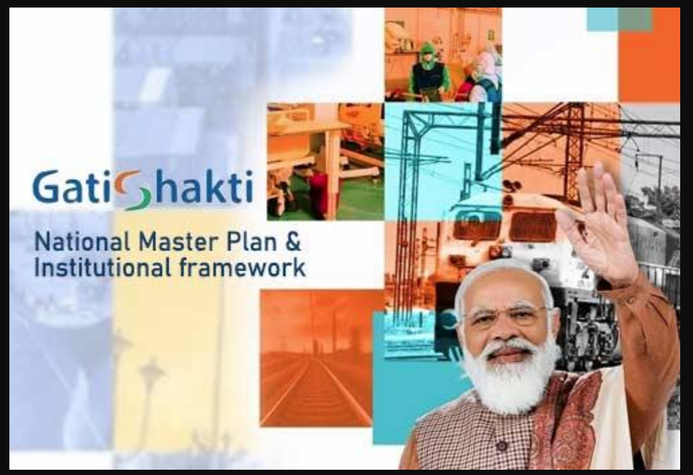

पी.एम. गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान

Result Mitra

- पी. एम. गतिशक्ति राज्य मास्टर प्लान (SMPs): सभी 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान प्लेटफॉर्म के अनुरूप पी. एम. गतिशक्ति (PMGS) पोर्टल विकसित किए हैं।
- व्यापार सुविधा: PMGS महत्वपूर्ण अवसंरचनाओं की कमियों को दूर करने तथा लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने में सहायक रहा है। उदाहरण के लिए नेशनल मास्टर प्लान (NMP) का उपयोग करके 8,891 किलोमीटर से अधिक राजमार्गों के निर्माण की योजना बनाई गई है।

पी.एम. गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान

Result Mitra

- संधारणीय और डेटा आधारित विकास को बढ़ावा देना: PMGS दक्ष अवसंरचना का विकास सुनिश्चित करने के लिए GIS उपकरणों का उपयोग करती है।
- PMGS की उपलब्धिगा: कुल 180 बिलियन डॉलर की 208 प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं का सफल मूल्यांकन्न किया गया।

B-रेडी इंडेक्स (B-Ready Index)

Result Mitra

पीएम गति शक्ति योजना के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

- 1. यह योजना भारत में बहु-मॉडल कनेक्टिविटी (Multi-modal Connectivity) को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई थी।
- 2. यह योजना केवल राष्ट्रीय राजमार्गों (National Highways) के विकास पर केंद्रित है।
- 3. इस योजना के तहत सरकार ने डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करके विभिन्न मंत्रालयों को एकीकृत किया है।

सही विकल्प का चयन करें:

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 2 और 3
- (C) केवल 1 और 3
- (D) 1, 2 और 3

B-रेडी इंडेक्स (B-Ready Index)

Result Mitra

स्पष्टीकरण:

- पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (PM Gati Shakti - National Master Plan) 2021 # लॉन्च किया गया था। इसका उद्देश्य मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी (Multi-modal Connectivity) को बढ़ाना है, जिससे लॉजिस्टिक्स लागत को कम किया जा सके। यह योजना केवल राष्ट्रीय राजमार्गों तक सीमित नहीं है, बल्कि रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, जलमार्गों और अन्य बुनियादी ढांचे को भी कवर करती है। इसके लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग किया गया है, जिससे 16 मंत्रालयों को जोड़ा गया है।

Result Mitra

10 YEARS OF MAKE IN INDIA

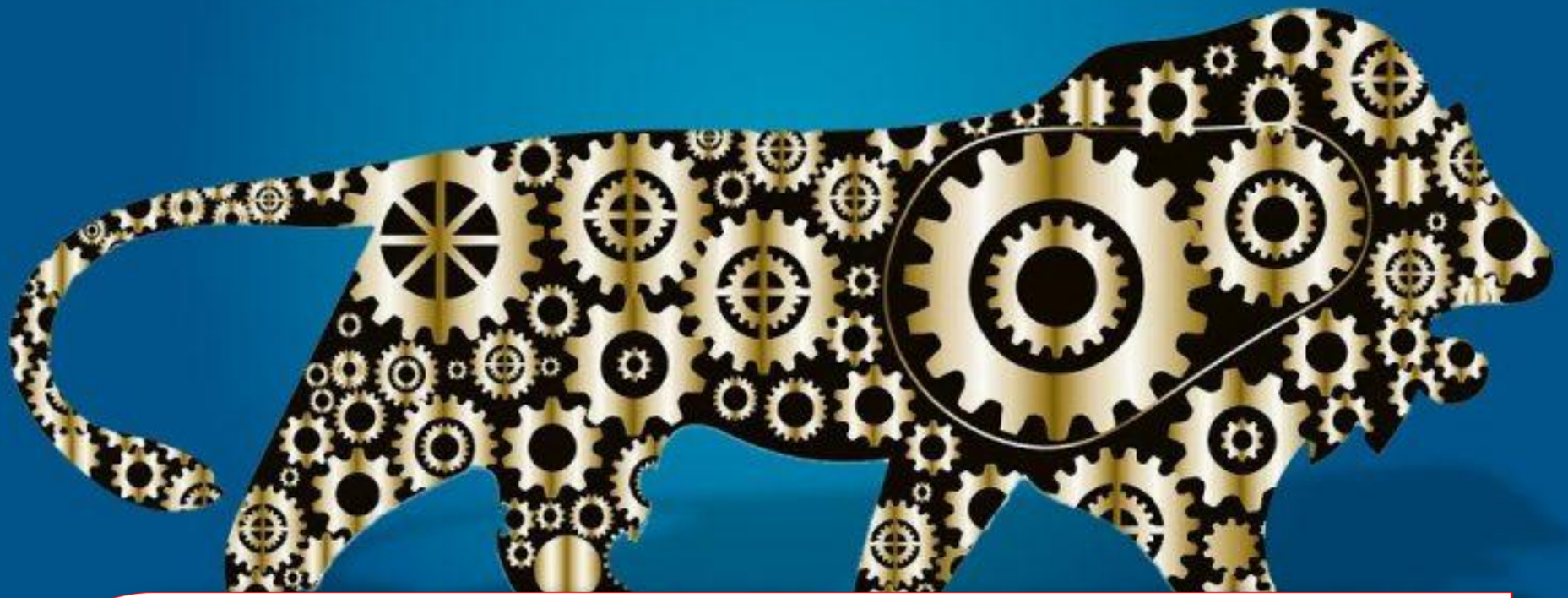

मेक इन इंडिया के 10 वर्ष

मेक इन इंडिया के 10 वर्ष

Result Mitra

मुख्य बिंदु

परिचय:

- "मेक इन इंडिया" पहल की शुरुआत 25 सितंबर 2014 को हुई।
- उद्देश्य: भारत को वैश्विक विनिर्माण और डिजाइन केंद्र बनाना।
- "वोकल फॉर लोकल" इसका प्रमुख मंत्र है।

मेक इन इंडिया के 10 वर्ष

Result Mitra

मुख्य लक्ष्य:

- औद्योगिक संवृद्धि दर को 12-14% तक बढ़ाना।
- 2022 तक 100 मिलियन रोजगार के अवसर सृजित करना।
- GDP में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी 25% तक बढ़ाना (अब 2025 तक संशोधित)।

प्रमुख क्षेत्र:

- 2021 में शुरू हुई "मेक इन इंडिया 2.0" में 27 क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित।
- इसे विभिन्न मंत्रालयों/विभागों और राज्य सरकारों के सहयोग से लागू किया जा रहा है।

मेक इन इंडिया के 10 वर्ष

Result Mitra

मुख्य स्तंभ:

- **1. नई प्रक्रियाएं** – ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा।
- **2. नई अवसंरचना** – औद्योगिक गलियारे और स्मार्ट शहरों का विकास।
- **3. नए क्षेत्र** – रक्षा उत्पादन, बीमा, चिकित्सा उपकरण आदि में FDI की अनुमति।
- **4. नई मानसिकता** – सरकार एक विनियामक के बजाय सुविधाप्रदाता के रूप में कार्यरत।

मेक इन इंडिया के 10 वर्ष

Result Mitra

प्रमुख उपलब्धियां:

- भारत विश्व का चौथा सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादक देश बना।
- भारत दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल विनिर्माता देश बना, 99% मोबाइल घरेलू उत्पादन से।
- "ईज ऑफ डूइंग बिजनेस" रैंकिंग में सुधार (2014: 142वां स्थान, 2019: 63वां स्थान)।
- FDI में वृद्धि: 2015 में $45 बिलियन से बढ़कर 2022 में $85 बिलियन।

मेक इन इंडिया के 10 वर्ष

Result Mitra

- भारत से पण्य निर्यात 2024 में $437 बिलियन तक पहुंचा।
- ड्रग्स, फार्मा, और रक्षा क्षेत्र में निर्यात में वृद्धि।
- रक्षा उत्पादों जैसे धनुष आर्टिलरी गन, अर्जुन टैंक, तेजस लड़ाकू विमान का विकास और निर्यात।
- "राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन" से 6 लाख नौकरियां और 1 लाख करोड़ रुपये की बचत।

मेक इन इंडिया के 10 वर्ष

Result Mitra

चुनौतियां और चिंताएं:

- GDP में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी 17.7% पर स्थिर (लक्ष्य 25%)।
- विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार घटकर 2017 के 51 मिलियन से 2023 में 35 मिलियन।
- विनिर्माण GVA वृद्धि दर 2012 के 8% से 2023 में 5.5% तक घटी।
- उत्पादक निवेश दर 2008 के 39.1% से 2023 में 32.2% तक घटी।
- FDI का योगदान GDP में 2015-23 के बीच 1.8% रहा, जो पूर्व में 2.1% था।

मेक इन इंडिया के 10 वर्ष

Result Mitra

- अधिकांश FDI केवल 9 क्षेत्रों में केंद्रित, जबकि विनिर्माण को मात्र 30% मिला।
- निर्यात प्रदर्शन कमजोर – GDP में पण्य निर्यात 2013-14 में 10%, 2022-23 में 8%।
- PLI योजनाओं की बढ़ती लागत – सरकार द्वारा भारी वित्तपोषण चिंता का विषय।

मेक इन इंडिया के 10 वर्ष

Result Mitra

मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने के लिए शुरु की गई प्रमुख पहलें

- सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकासः एक स्थायी सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले इकोसिस्टम के विकास को बढ़ावा देने के लिए 78,000 करोड रूपये के परिव्यय के साथ सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम (2021) को मंजूरी दी गई है।
- राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (2022): एडवांस प्रोद्योगिकी और बेहतर प्रक्रियाओं का लाभ उठाकर एकीकृत, दक्ष ओट सतत लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के माध्यम से आर्थिक संवृद्धि और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना।

मेक इन इंडिया के 10 वर्ष

Result Mitra

- स्टार्ट-अप इंडिया: इसे उद्यमियों की सहायता करने, एक मजबूत स्टार्ट-अप इकोसिस्टम बनाने और भारत को रोजगार के अवसर सृजन करने वाले देश में बदलने के लिए आरंभ किया गया है।
- उत्पादन-से-संबद्ध प्रोत्बाहन (PLI) योजनाएं: भारत की विनिर्माण क्षमताओं और भारत से निर्यात को बढ़ाने के लिए 14 प्रमुख क्षेत्रकों हेतु 1.97 लाख करोड़ रूपये के बजट के साथ PLI योजनाओं की घोषणा की गई है।
- पी.एम. गतिशक्ति: मल्टीमॉडल और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से 2025 तक आत्मनिर्भर भारत औट 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हासिल करना।

B-रेडी इंडेक्स (B-Ready Index)

Result Mitra

मेक इन इंडिया' पहल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

- 1. यह पहल केवल विनिर्माण (Manufacturing) क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई थी।
- 2. इसका उद्देश्य भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र (Global Manufacturing Hub) बनाना है।
- 3. इस पहल के अंतर्गत रक्षा उत्पादन क्षेत्र को भी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) के लिए खोला गया।

सही विकल्प का चयन करें:

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 2 और 3
- (C) केवल 1 और 3
- (D) 1, 2 और 3

B-रेडी इंडेक्स (B-Ready Index)

Result Mitra

स्पष्टीकरण:

- "मेक इन इंडिया" पहल सिर्फ विनिर्माण (Manufacturing) तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसके तहत 25 प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया था, जिनमें आईटी, रक्षा, ऑटोमोबाइल, कपड़ा, फार्मा आदि थे। इस पहल के तहत रक्षा क्षेत्र में FDI सीमा को बढ़ाकर 49% किया गया था, जिससे विदेशी निवेश को बढ़ावा मिला।

भारत में निर्धनता (Poverty in India)

भारत में निर्धनता (Poverty in India)

Result Mitra

सुर्ख़ियों में क्यों?

- विश्व बैंक ने 'Poverty, Prosperity, and Planet Report 2024: Pathways Out of the Polycrisis' जारी की।
- रिपोर्ट में कोविड-19 महामारी के बाद वैश्विक गरीबी और समृद्धि की प्रगति का पहला आकलन किया गया है।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदु

1. वैश्विक गरीबी में कमी की बाधाएं:

- पिछले 5 वर्षों में गरीबी उन्मूलन की गति स्थिर रही।
- "पॉलीक्राइसिस" (बहुसंकट) के कारण गरीबी कम करने में बाधा।

भारत में निर्धनता (Poverty in India)

Result Mitra

पॉलीक्राइसिस:

- धीमी आर्थिक संवृद्धि
- बढ़ते आर्थिक संकट
- जलवायु जोखिम
- वैश्विक अनिश्चितता

2. गरीबी उन्मूलन के लक्ष्य से दूरी:

- 2030 में 7.3% विश्व आबादी चरम गरीबी में होगी (लक्ष्य: 3%)।
- 2024 में 8.5% वैश्विक आबादी चरम गरीबी में।
- संयुक्त राष्ट्र के SDG लक्ष्यों से यह आंकड़ा काफी दूर।

भारत में निर्धनता (Poverty in India)

Result Mitra

3. वैश्विक समृद्धि में असमानता:

- कोविड-19 के बाद वैश्विक समृद्धि में गिरावट।

समृद्धि अंतर (Prosperity Gap):

- यह दिखाता है कि हर व्यक्ति को 25 डॉलर प्रतिदिन आय तक पहुंचाने के लिए कितनी अतिरिक्त संपत्ति की जरूरत है।
- यह वैश्विक आय असमानता को मापने का एक महत्वपूर्ण पैमाना है।

भारत में निर्धनता (Poverty in India)

Result Mitra

भारत में निर्धनता की स्थिति:

- 1990 में 431 मिलियन भारतीय चरम गरीबी में थे, जो 2024 में घटकर 129 मिलियन रह गए।

चरम गरीबी की परिभाषा:

- प्रति व्यक्ति $2.15 प्रतिदिन से कम आय पर जीवन यापन।

भारत में निर्धनता की वर्तमान स्थिति (नीति आयोग के अनुसार)

- निर्धनता हेडकाउंट अनुपात 2013-14 में 29.17% से घटकर 2022-23 में 11.28% हुआ।

भारत में निर्धनता (Poverty in India)

Result Mitra

- पिछले 9 वर्षों में 24.82 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले।
- गरीब राज्यों में गरीबी में तेजी से गिरावट, जिससे असमानता में कमी हुई।
- उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा और राजस्थान में बहुआयामी गरीबी में सबसे तेज गिरावट दर्ज की गई।
- भारत 2030 से पहले ही SDG लक्ष्य 1.2 (बहुआयामी गरीबी को आधा करना) प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है।

भारत में निर्धनता (Poverty in India)

Result Mitra

भारत में निर्धनता आकलन का इतिहास

स्वतंत्रता से पूर्व:

- दादाभाई नौरोजी – पुस्तक "Poverty and Un-British Rule in India" में गरीबी का आकलन।
- नेशनल प्लानिंग कमेटी (1938) – गरीबी पर अध्ययन।
- बॉम्बे प्लान (1944) – आर्थिक विकास और गरीबी उन्मूलन पर विचार।

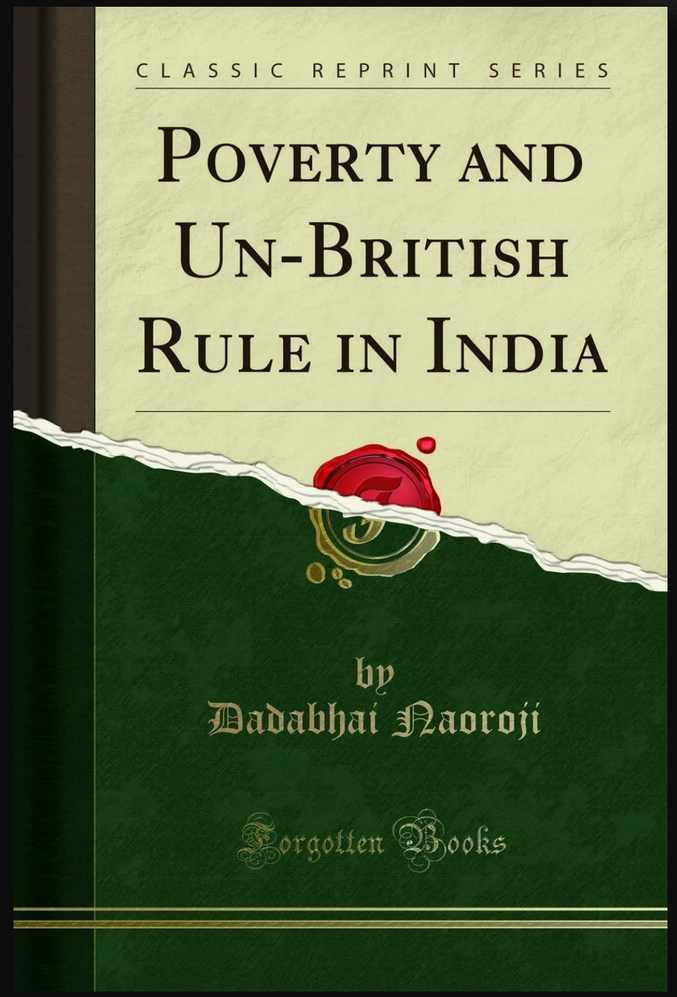

भारत में निर्धनता (Poverty in India)

Result Mitra

स्वतंत्रता के बाद:

- योजना आयोग (1962) – गरीबी रेखा का आकलन शुरू।
- बी. एम. दांडेकर और एन. रथ (1971) – सांख्यिकीय आधार पर निर्धनता मापन।
- अलघ समिति (1979) – गरीबी रेखा निर्धारण के लिए मानक तय किए।
- लकड़ावाला समिति (1993) – उपभोग व्यय के आधार पर गरीबी मापन।

भारत में निर्धनता (Poverty in India)

Result Mitra

2000 के बाद:

1. तेंदुलकर समिति (2009):

- गरीबी आकलन पद्धति की समीक्षा के लिए गठित।

2011-12 में गरीबी रेखा:

- ग्रामीण क्षेत्रों: ₹816 प्रति व्यक्ति प्रति माह।
- शहरी क्षेत्रों: ₹1000 प्रति व्यक्ति प्रति माह।

सिफारिशें:

- कैलोरी मानदंड के बजाय उपभोग व्यय पर आधारित निर्धारण।
- ग्रामीण और शहरी गरीबी रेखा बास्केट को समान बनाया जाए।
- मिश्रित संदर्भ अवधि (MRP) आधारित अनुमान का उपयोग।

भारत में निर्धनता (Poverty in India)

Result Mitra

2. रंगराजन समिति (2014):

- तेंदुलकर समिति की आलोचना के बाद गठित।
- अलग-अलग ग्रामीण और शहरी गरीबी रेखा बास्केट अपनाने की सिफारिश।
- राज्य स्तर पर गरीबी के नए अनुमान प्रस्तुत किए।
- सरकार ने इस रिपोर्ट पर निर्णय नहीं लिया।

भारत में निर्धनता (Poverty in India)

Result Mitra

निर्धनता से संबंधित प्रमुख शब्दावलियां

पूर्ण निर्धनता (Absolute Poverty):

- बुनियादी आवश्यकताओं (भोजन, पानी, आश्रय) की पूर्ति में असमर्थता।
- सामाजिक मानकों को शामिल किए बिना न्यूनतम जीवन स्तर दर्शाता है।

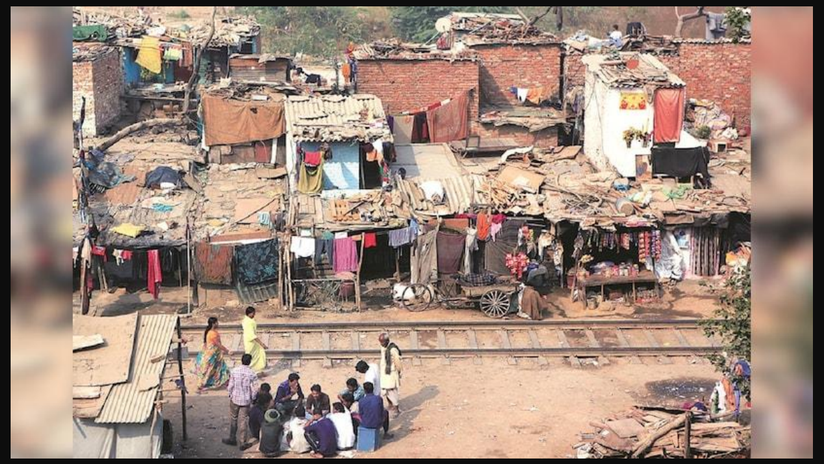

सापेक्ष निर्धनता (Relative Poverty):

- समाज के औसत जीवन स्तर की तुलना में जीवन स्तर का कम होना।
- यह एक सापेक्ष अवधारणा है, जो समय और स्थान के अनुसार बदलती है।

भारत में निर्धनता (Poverty in India)

Result Mitra

निर्धनता दर / हेडकाउंट अनुपात:

- गरीबी रेखा से नीचे रहने वाली जनसंख्या का प्रतिशत।
- यह दर्शाता है कि कितने लोग गरीब हैं।

गरीबी की गहनता (Intensity of Poverty):

- निर्धन व्यक्तियों की गरीबी कितनी गंभीर है, इसका मापन।
- यह दर्शाता है कि गरीब कितने गरीब हैं।

भारत में निर्धनता (Poverty in India)

Result Mitra

बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI):

- गरीबी का आकलन केवल आय के आधार पर नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर के आधार पर करता है।
- वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त समग्र निर्धनता मापक।

B-रेडी इंडेक्स (B-Ready Index)

Result Mitra

भारत में गरीबी की गणना में 'निर्धनता हेडकाउंट अनुपात' से तात्पर्य क्या है?"

- (a) गरीबी रेखा से ऊपर रहने वाली जनसंख्या का प्रतिशत
- (b) गरीबी रेखा से नीचे रहने वाली जनसंख्या का प्रतिशत
- (c) गरीबी की गहनता का मापक
- (d) गरीबी रेखा का निर्धारण करने की पद्धति

B-रेडी इंडेक्स (B-Ready Index)

Result Mitra

स्पष्टीकरण:

- हेडकाउंट अनुपात यह मापता है कि कुल जनसंख्या में से कितने लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं।

वैश्विक नवाचार सूचकांक 2024

वैश्विक नवाचार सूचकांक 2024

Result Mitra

संयुक्त जारी:

- विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (WIPO), कॉर्नेल यूनिवर्सिटी और INSEAD बिजनेस स्कूल द्वारा जारी।
- थीम: "Unlocking the Promise of Social Entrepreneurship"

मापन के आयाम:

- नवाचार मापन के घटक: संस्थान, मानव पूंजी और अनुसंधान, अवसंरचना, ऋण, निवेश, लिंकेज रचनात्मकता, ज्ञान प्रसार, और रचनात्मक आउटपुट।

वैश्विक नवाचार सूचकांक 2024

Result Mitra

शीर्ष रैंकिंग:

- स्विट्जरलैंड शीर्ष पर।
- इसके बाद स्वीडन, संयुक्त राज्य अमेरिका और सिंगापुर का स्थान।

भारत की स्थिति:

- 133 अर्थव्यवस्थाओं में भारत का स्थान 39 (2023 में 40 था), स्कोर: 38.3।
- ज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, रचनात्मक आउटपुट, संस्थान और व्यावसायिक आधुनिकता के क्षेत्रों में भारत निम्न-मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं तथा मध्य एवं दक्षिण एशिया में अग्रणी।
- बेंगलुरु, दिल्ली, चेन्नई और मुंबई विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के शीर्ष 100 क्लस्टर्स में शामिल हैं।

सामाजिक उद्यमिता

समस्याओं का समाधान:

- गरीबी, पर्यावरणीय स्थिरता, और सामाजिक अन्याय जैसी चुनौतियों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

मॉडल:

- लाभकारी उद्यमों की दक्षता, नवाचार, और संसाधनों को गैर-लाभकारी संगठनों के मूल्यों, मिशन और चिंताओं के साथ मिलाकर आर्थिक संपदा का सृजन करती है।

विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (World Intellectual Property Organization: WIPO)

- मुख्यालय:– जिनेवा, स्वीटजरलैंड
- उत्पत्ति 1967 में स्थापित
- यह संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसी है
- सदस्य:– 193 सदस्य (भारत 1975 से सदस्य है)।

उद्देश्य:

- 1.ऐसी संतुलित ओर सुलभ अंतर्राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा (IP) प्रणाली विकसित करना जो रचनात्मकता को पुरस्कृत करती हो
- 2. नवाचार को बढ़ावा देती हो
- 3. आर्थिक विकास में योगदान देती हो।

कार्य

- 1.संतुलित अंतर्राष्ट्रीय वोद्धिक संपदा नियनों को दिशा देने के लिए नीतिगत फोरम के रूप में कार्य करना
- 2.दूसरे देशों में बौद्धिक संपदा की रक्षा करने और विवादों को सुलझाने के लिए वैश्विक सेवाओं का प्रावधान करना:
- 3. बौद्धिक संपदा से संबंधी सूचना के लिए वैश्विक संदर्भ स्रोत के रूप में कार्य करना।

प्रमुख संधियां:

- औद्योगिक संपदा के संरक्षण के लिए पेरिस कन्वेंशन (1998)
- साहित्यिक और कलात्मक रचनाओं के संरक्षण के लिए बर्न कन्वेंशन (1928)
- पेटेंट सहयोग संधि (1998)
- बौद्धिक संपदा, आनुवंशिक संसाधन और संबंधित पारंपरिक जान पर संधि (2024)

वैश्विक नवाचार सूचकांक 2024

Result Mitra

"निम्नलिखित में से WIPO के प्रमुख उद्देश्यों में से एक कौन सा है?"

- (a) वैश्विक व्यापारिक समझौतों को नियंत्रित करना
- (b) बौद्धिक संपदा अधिकारों के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाना
- (c) पर्यावरण संरक्षण के लिए नीतियाँ बनाना
- (d) सैन्य तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना

वैश्विक नवाचार सूचकांक 2024

Result Mitra

स्पष्टीकरण:

- WIPO का मुख्य उद्देश्य बौद्धिक संपदा अधिकारों के क्षेत्र में मानकीकरण, नीति निर्माण, और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है ताकि नवाचार और रचनात्मकता को वैश्विक स्तर पर सुरक्षित किया जा सके।

Thank
you